भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

वित्तीय सेवाएं विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2485

जिसका उत्तर 8 जुलाई, 2019/17 आषाढ़, 1941 (शक) को दिया गया

सरकारी क्षेत्र के बैंकों में पूंजी की कमी

2485. श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:

श्री बिद्युत बरण महतो:

श्री गजानन कीर्तिकर:

श्री सुधीर गुप्ता:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकारी क्षेत्र के बैंक पूंजी की कमी का सामना कर रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ख) क्या सरकार का निवेशकों को आकर्षित करने के लिए नई पूंजी डालने और उच्च ऋण वृद्धि के अवसरों को बढ़ाने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या भारतीय स्टेट बैंक ने क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट इशू के माध्यम से धन एकत्र करने की अपनी योजना को स्थगित कर दिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा है और इसके क्या कारण हैं; और

(घ) क्या सरकारी क्षेत्र के बैंक अशोध्य ऋण के कारण सरकारी पूंजी पर बुरी तरह से निर्भर हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा इस संबंध में क्या सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अनुराग सिंह ठाकुर)

(क): आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार, भारत में बैंकों को 9 प्रतिशत का न्यूनतम पूंजी और जोखिम भारित आस्ति अनुपात (सीआरएआर) बनाए रखना अपेक्षित होता है। दिनांक 31.3.2019 की स्थिति के अनुसार, सरकारी क्षेत्र के सभी 18 बैंक (पीएसबी) इस न्यूनतम सीआरएआर आवश्यकता को पूरा करते हैं।

(ख): वित्तीय वर्ष 2019-20 हेतु केंद्रीय बजट में सरकार ने अर्थव्यवस्था को तीव्र गति देने के लिए ऋण को बढ़ावा देने हेतु पीएसबी में 70,000 करोड़ रुपए के निवेश का प्रावधान रखने का प्रस्ताव दिया है।

(ग): भारतीय स्टेट बैंक से प्राप्त जानकारी के अनुसार, बैंक ने दिनांक 31.3.2020 तक अर्हक संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) अथवा अन्य तरीकों के माध्यम से बाजार से 20,000 करोड़ रुपए तक की इक्विटी पूंजी जुटाने के लिए अनुमोदन प्राप्त कर लिया है। बैंक ने आगे सूचित किया है कि दिनांक 31.3.2019 की स्थिति के अनुसार, 11.325 प्रतिशत की विनियामकीय आवश्यकता की तुलना में वह 12.72 प्रतिशत सीआरएआर के साथ वर्तमान में वह पर्याप्त पूंजीकृत है तथा आवश्यकता के आधार पर वह वित्तीय वर्ष के दौरान उचित समय पर पूंजी जुटाने के संबंध में निर्णय लेगा।

(घ): पीएसबी आंतरिक पूंजी सृजन, बाजारों से पूंजी जुटाकर तथा सरकार द्वारा निवेश के माध्यम से पूंजी प्राप्त करते हैं। इसलिए, सरकार द्वारा पूंजी निवेश के माध्यम से पूंजी प्राप्त करते हैं। इस प्रकार, सरकार द्वारा पूंजी निवेश पीएसबी के आंतरिक पूंजी सृजन और बाजारों से पूंजी जुटाने को अनुपूरित करता है। वित्तीय वर्ष (एफवाई) 2008-09 से एफवाई 2018-2019 तक पीएसबी ने सरकार से इतर स्रोतों से 2,81,616 करोड़ रुपए की पूंजी जुटायी है तथा 98,373 करोड़ रुपए का निवल लाभ अर्जित किया है, जिसके एक बड़े भाग ने आंतरिक पूंजी सृजन में योगदान दिया है। इसी अवधि के दौरान, सरकार ने पीएसबी में 3,15,721 करोड़ रुपए की पूंजी का निवेश किया है।

*****